भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या – 2376

दिनांक 13.02.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत और श्रीलंका के बीच वार्ता

2376. श्री ए. राजा

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) हाल ही में विदेश मंत्रियों और सचिवों के दौरों के दौरान भारत और श्रीलंका के बीच हुई वार्ता का मुख्य ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारत-श्रीलंका की समुद्री सीमा पर भारतीय मछुआरों को परेशान करने और गिरफ्तार करने के मुद्दों पर चर्चा हुई और यदि हाँ, तो इसका क्या परिणाम रहा;

(ग) क्या श्रीलंका के संविधान में तमिलों के हितों को प्रभावित करने वाले संवैधानिक सुधारों का मुद्दा उठाया गया था और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) श्रीलंका में तमिलों के हितों की रक्षा के लिए क्या कूटनीतिक कार्रवाई की गई है या प्रस्तावित है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क से घ) विदेश मंत्री ने 22-23 दिसंबर 2025 को प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में श्रीलंका की यात्रा की। इस यात्रा के दौरान, चक्रवात डिटवा के बाद श्रीलंका के पुनर्वास और पुनर्निर्माण प्रयासों में सहायता के लिए 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर के एक व्यापक राहत पैकेज की घोषणा की गई। विदेश मंत्री ने श्रीलंका के लोगों के लाभ के लिए भारत की राहत सहायता के प्रभावी कार्यान्वयन सहित विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर श्रीलंका के नेतृत्व के साथ चर्चा की।

भारतीय मछुआरों , जिन्हें श्रीलंकाई प्राधिकारियों द्वारा समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने और श्रीलंकाई समुद्री सीमा में मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है, के मुद्दे के संबंध में दोनों देशों के बीच नियमित रूप से चर्चा की जाती है। सरकार ने भारतीय मछुआरों और उनकी नौकाओं की शीघ्र रिहाई और प्रत्यावर्तन के साथ-साथ उन पर लगाए गए जुर्माने के मामले में श्रीलंका के अधिकारियों के साथ लगातार चर्चा की है और इस बात पर जोर दिया है कि इस मुद्दे पर पूरी तरह से मानवीय और आजीविका के आधार पर विचार किया जाना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में बल प्रयोग से बचना चाहिए। सरकार के ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप मई 2014 से अब तक 3704 भारतीय मछुआरों को रिहा कर स्वदेश वापस भेजा गया है।

भारत सरकार ने श्रीलंका सरकार के साथ अपनी चर्चा के दौरान लगातार श्रीलंका के संविधान के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन एवं प्रांतीय परिषद चुनावों के शीघ्र आयोजन का आह्वान किया है। इस बात पर जोर दिया गया है कि समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से सार्थक प्राधिकार प्रदान करना और बेहतर सुलह एक ऐसा भविष्य को साकार करेगी जिसमें श्रीलंका के तमिल समुदाय सहित श्रीलंका के समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं समायोजित होंगी, ताकि एक संयुक्त श्रीलंका में समानता, न्याय, शांति और गरिमापूर्ण जीवन का उद्देश्य पूरा हो सके।

*****